



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

२१२९०

सं. 196]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 23, 1989/कार्तिक 1, 1911

No. 196]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 23, 1989/KARTIKA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

वार्षिक संचालय

(प्रायात व्यापार नियंत्रण)

वार्षिक सूचना सं. 171 प्राई टी मी (पी एन)/88--91

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1989

विषय :—प्रायात नियंत्रण नीति 1988--91 (खण्ड 1)।

मेरे 6/11/89ई. पी. मी. से जारी :— वार्षिक संचालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1-प्राई टी मी (पी एन)/88--91, विनांक 30 मार्च, 1989 के
पश्चीम प्रकाशित तथा संशोधित प्रायात नियंत्रण 1988--91 की प्राप्त ध्यान दिलाया जाता है।

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीति उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएँगे :—

क्रम प्रायात नियंत्रण नीति, 1988--91
सं. (खण्ड 1) की पृष्ठ संख्या

संवर्ग

संशोधन

1 2

3

4

1. 54

प्रध्याय 15

पंजीकृत नियंत्रणों के लिए प्रायात नीति

वर्तमान परे 177 के बावजूद विभिन्न पैंग जोड़ा जाएगा ॥

"177(क) एक वास्तविक उपरोक्ता (सौधोगिक) हस्तीनि
के परिशिष्ट 19 में सूचीबद्ध मर्दों के प्रायात के लिए अनुमति
नम्यता के पूर्ण मूल्य तक आरं ई पी लाइसेंस' का उपयोग
कर सकता है। यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा ॥

(क) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) सीमांशुलक प्राधिकारियों को औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति हम आयात का एक धोषणा प्रस्तुत करेगा कि (1) उक्त मद, उक्त औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाणपत्र में उन्निमित्त अनिम उत्पाद के निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी, (2) औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण पत्र को न सो रह किया हो तो यादिग लिपा गया हो या अन्यथा रूप में अप्रभावी किया गया हो, और (3) इस नम्बता के अन्तर्गत आयातित मदें औद्योगिक यन्ट घोर उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम (अनुमोदित चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम की प्रति सलान है) (यदि उनके लिए कोई चरणबद्ध विनियोग कार्यक्रम अनुमोदित नहीं है तो उनका उल्लेख भी घोषणा में किया जाना चाहिए।) के रूप में संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के पास उनके औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण से पूर्ण गतों के अनुमार है।

(ख) हन उपवंशों के अंतर्गत आयातित माल अहरतंतरणीय और वास्तविक उपयोक्ता गतों के अनुमार होगा।

2.

54

आयात--15

पंजीकृत नियोक्ताओं के लिए आयात नीति
नीति पैग 178

मोजूदा पैग 178 के अंतर्गत किए गए पूँडोंका को निम्न प्रकार

से संशोधित किया जाएगा :—

इस लाइसेंस के नम्बता भाग का नागत बीमा भाषा मूल्य-----
रखये है। नम्बता भाग के अंदर आयात एवं निर्यात नीति
1988--91 (ब्याज 1) के पैग 177 और 177 क में नीहित
गतों के प्रावधान एवं पूति के शर्तों के अधीन, यह लाइसेंस
रक्षकार्य भद्रों के आयात के लिए भी वैध है।

3.

55

आयात--15

पंजीकृत नियोक्ताओं के लिए आयात नीति
नीति पैग 183 (1)

मोजूदा पैग 183 (1) को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाएगा :—

"183(1) आईडी पी लाइसेंस केवल पंजीकृत आयातको के नाम में
ही जारी किए जाएंगे और आयात आदेश के मामलों को
ट्रॉडकर वास्तविक उपयोक्ता गत नागू तकी छोपी। लाइसेंस धारी
लाइसेंस का हस्तान्तरण किसी भी अन्य व्यक्ति को कर सकता है,
बशर्ते कि लाइसेंसधारी या वह व्यक्ति जिसे हस्तान्तरण किया
गया है उसमें अनुमेय माल का आयात करते में सक्षम हो।

4

63

आयात--18

नियोत मदन सौर व्यापार मदन पैग

215

वर्तमान उप पैरे 215(4) के बाद, निम्नविवित उप पैरे जोड़े
जाएंगे :—

"215 (4क) नियोत मदनों/व्यापार मदनों को जारी किए
गए अनिस्तिन लाइसेंस के मदे भी हम नीति के परिशिष्ट
19 में सूचीबद्ध मदों के आयात के लिए वास्तविक उपयोक्ता
(औद्योगिक) डारा लाइसेंस के पूर्ण मूल्य तक सुमुद्रोजित
किया जा सकता है। इसके लिए निम्न शर्तें होगी :—

(क) वस्तुओं की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) सीमांशुलक प्राधिकारियों को औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण पत्र की एक एक प्रति और एक धोषणापत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें कि (1) आयात की उक्त मद का प्रयोग उक्त अनिम उत्पाद करने के लिए किया जाएगा जिसका उल्लेख उक्त औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण पत्र में शिया गया हो,

(ख) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण प्रबाधन पत्र 22/वापिस नहीं
किया जाए अथवा/अन्यथा रूप में हटा नहीं शिया जाए, तथा
(3) इस के अन्तर्गत आयात की गई मदे बिल्कुल उनके औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की गती के अनुमार हाँ और सम्बद्ध

प्रायोजित प्राधिकारी के श्रौद्धोगिक यूनिट के स्वीकृत चरणबद्ध उत्पादन कार्यक्रम के अनुसार हाँ, (स्वीकृत चरणबद्ध उत्पादन कार्यक्रम की प्रति सल्लाह है) (यदि चरणबद्ध उत्पादन कार्यक्रम के स्वीकृति नहीं मिली है तो उपका उल्लेख घोषणा पत्र में किया जाएगा)। इन प्रावधाराओं के अनुसार आयातिन माल अद्वालांतरणीय होगा और वास्तविक उपयोगका गती के अधीन होगा।

215 (4) उपर्युक्त नम्यताप्रौद्योगिक प्रयोजन के लिए अतिरिक्त लाइसेंस के जारी किए जाने के समय उस पर निम्नलिखित पूछोकर्ता किया जाएगा :—

“आयात एवं नियर्वात नीति 1988-91 (खण्ड 1) के उपर्युक्त

215 (4) और 215 (4 क) के अनुसार अपने समग्र मूल्य के भोतर, यह लाइसेंस :—

(क) —————— स्पष्टे के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक उपर्युक्त उप पैरा (4) की गती के अनुसार स्वीकार्य मदों के आयात के लिए और (ख) —————— स्पष्टे के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक परिशिष्ट 19 में वी गई मदों के आयात के लिए, भी वैध होता। यह कथित पैरों में वी गई गती को पूरा किए जाने की गती के अधीन होगा।”

(1) वर्तमान पैरों को उप पैरा (1) के रूप में पूत् साध्याकाल किया जाएगा —

(2) उपर्युक्त उप पैरा (1) के आद निम्नलिखित नया उपर्युक्त जोड़ा जाएगा —

“216(2) उपर्युक्त उप पैरा (1) में अन्य आना के होते हुए भी परिशिष्ट 19 में निर्धारित गती के आयात के लिए उपर्युक्त निए गए अतिरिक्त लाइसेंस की गती तक आयात केवल वास्तविक उपयोगका (श्रौद्धोगिक) होगा किया जा सकता है और ऐसा आयात उपर्युक्त पैरा 215 (4 क) में नियर्वातरित वास्तविक उपयोगका गती के अधीन होगा।”

प्रधानमंत्री—18
नियर्वात सकल भौतिक आयात मदन

पैरा 216

(1) वर्तमान पैरों को उप पैरा (1) के रूप में पूत् साध्याकाल किया जाएगा —

(2) उपर्युक्त उप पैरा (1) के आद निम्नलिखित नया उपर्युक्त जोड़ा जाएगा —

“216(2) उपर्युक्त उप पैरा (1) में अन्य आना के होते हुए भी परिशिष्ट 19 में निर्धारित गती के आयात के लिए उपर्युक्त निए गए अतिरिक्त लाइसेंस की गती तक आयात केवल वास्तविक उपयोगका (श्रौद्धोगिक) होगा किया जा सकता है और ऐसा आयात उपर्युक्त पैरा 215 (4 क) में नियर्वातरित वास्तविक उपयोगका गती के अधीन होगा।”

परिशिष्ट—18

वर्तमान परिशिष्ट—18 के बाव इग मार्वजनिक गूचना के उपाय
“क” में वी गई अनुसार “परिशिष्ट 19” जोड़ दी जाएगी।

3. इम नीति पुस्तक के पैरा 177 में नियर्वातरित गती को पूरा करने की गती के अध्याधीन इम नीति पुस्तक के पैरे 178 में पृष्ठाकालित नम्यता तथा इम मार्वजनिक सूचना की जारी होने की नारायण से पूर्व जारी किए गए उपलब्ध वैध प्रारंभ ई पी लाइसेंसों पर परिशिष्ट 19 में सूचीबद्ध मदों के आयात के लिए भी पूर्ण पूर्व नियर्वात/आयात मदनों का 1988-89 एवं 1989-90 की पात्र अवधारणा के लिए जारी वैध अतिरिक्त लाइसेंसों का परिशिष्ट 19 की भूमी में वी गई मदों के आयात के लिए भी उपरोक्त किया जा सकता है अर्थात् वह नीति पुस्तक के पैरा 215 (4 क) में नियर्वातरित गती को पूरा करता है।

4. उपर्युक्त संशोधन नोटक हिन् में किए गए हैं।

उपायंध्र—“क”

तेजेन्द्र प्रसा, मुख्य नियन्त्रक, आयात नियर्वात

परिशिष्ट—19

पैरा 177(क) और 215 (4.क)

आयात नियर्वात नीति, 1988-91 (खण्ड 1) के उप पैरा 177(क) और 215 (4 क) की गतीनसार आयात के लिए अनुमेय मदों की सूची —

1. नाम्बा जिसमें ताम्बे वी छड़े भी शामिल है (गड़ा हुआ या बिसा गड़ा हुआ),

2. जस्ता (या स्पन्डर),

3. गोमा

4. पिंग आयात के मधी ग्रेड (अकाय स्टोक पिंग आयात महित) परन्तु पिंग आयात भिषम की छोड़कर,

5. किसी भी लप्त में/हालत में त्रिसमें पूत् पिंगलाने वाली स्ट्रैप इनोट भी शामिल है गमी ग्रेडों की नान-आयात स्टोक की पूत् पिंगलाने के लिए और स्ट्रैप (पिंगलाने वाली स्ट्रैप),

6. बैंकिंग के लिए पुराने गिरप, समझौते जहाज (भारतीय फैरें समूद्री जहाज को छोड़कर)।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 171—ITC(PN)/88-91

New Delhi, the 23rd October, 1989

Subject : Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I):

Issued from File No. 6/11/89-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the said policy at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of the Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I)	Reference	Amendments
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	54	Chapter-XV Import Policy for Registered Exporters	<p>After the existing para 177, the following para shall be added :—</p> <p>“177(A) An REP licence may also be utilised by an Actual User (Industrial) upto the full value of the flexibility allowed, for import of items listed in Appendix-19 of this Policy. This shall be subject to the following conditions :—</p> <p>(a) At the time of clearance of goods, the Actual User (Industrial) shall furnish to the Customs authorities a copy of the Industrial licence/Registration Certificate and a declaration to the effect that (i) the said item of import will be used in the manufacture of the end product indicated on the said Industrial Licence/Registration certificate; (ii) the Industrial licence/Registration Certificate has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (iii) the items imported under this flexibility are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/ Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme (a copy of the approved phased manufacturing programme enclosed) (In case no phased manufacturing programme has been approved for them, the same shall be indicated in the declaration).</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
(2)	54	Chapter-XV Import Policy for Registered Exporters Para 178	<p>(d) The goods imported under these provisions shall be non-transferable and shall be subject to Actual Users conditions."</p> <p>The endorsement under the existing para 178 shall be amended as under :—</p> <p>"The c.i.f. value of the flexibility portion of this licence is Rs._____. Within this flexibility portion, this licence is also valid for import of admissible items, subject to the provisions & fulfilment of conditions laid down in Paras 177 & 177(A) of the Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I)."</p>
(3)	55	Chapter-XV Import Policy for Registered Exporters Para 183(1)	<p>The existing para 183(1) shall be amended as under :—</p> <p>"183(1). The REP licence will be issued in the name of the Registered Exporter only and will not be subject to "Actual User" conditions except in the cases of imports under para 177(A). A licence holder may transfer the licence to any other person. Subject to the conditions laid down, the licence holder or such transferee may import the goods permitted therein."</p>
(4)	63	Chapter-XVIII Export Houses and Trading Houses Para 215	<p>After the existing sub-para 215(4), the following sub-paras shall be added :—</p> <p>"215(4A). Additional Licences issued to Export Houses/Trading Houses may also be utilised by an Actual User (Industrial) for import of items listed in Appendix-19 of this policy up to the full value of the licence. This shall be subject to the following conditions :—</p> <p>(a) At the time of clearance of goods, the Actual User (Industrial) shall furnish to the Customs authorities a copy of the Industrial Licence/Registration Certificate and a declaration to the effect that (i) the said item of import will be used in the manufacture of the end product indicated on the said Industrial Licence/Registration Certificate; (ii) the Industrial Licence/Registration Certificate has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and</p>

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>(iii) the items imported under this flexibility are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme (a copy of the approved phased manufacturing programme enclosed). (In case no phased manufacturing programme has been approved for them, the same shall be indicated in the declaration)."</p> <p>(b) The goods imported under these provisions shall be non-transferable and shall be subject to Actual Users Conditions.</p> <p>215(4B) For the purpose of the flexibilities as above, the following endorsement shall be made on the Additional Licence at the time of its issue :—</p> <p>"As per sub-para 215(4) and 215(4A) of the Import & Export Policy, 1988-91 (Vol. I), within its overall value, this licence is also valid for (a) for import of admissible items in terms of sub-para (4) above upto a cif value of Rs.———— and (b) for import of items listed in Appendix 19 upto a cif value of Rs.————. This shall be subject to the fulfilment of the conditions laid down in the said paras."</p> <p>(i) The existing para shall be re-numbered as sub-para (1).</p> <p>(ii) After sub-para (1) above, the following new sub-para shall be added :—</p> <p>"216(2). Notwithstanding anything contained in sub-para (1) above, to the extent the Additional Licence is used for import of items specified in Appendix 19, the import can be made only by an Actual User (Industrial) and such import shall be subject to Actual User Conditions, as laid down in para 215 (4A) above."</p> <p>After the existing Appendix 18, "Appendix 19", as given in Annexure 'A' to this Public Notice, shall be added.</p>
(5)	64	Export Houses and Trading Houses Para 216	
(6)	333	Appendix-18	

3. The flexibility endorsed in terms of para 178 of the Policy Book and available on valid REP licences, issued prior to the date of this public notice, may also be utilised for import of items listed in Appendix 19, subject to the fulfilment of the conditions laid down in para 177(A) of the Policy Book. Similarly, valid Additional Licences issued to Export Houses/Trading Houses for the eligibility periods 1988-89

and 1989-90 prior to the date of this public notice, may also be utilised for import of the items listed in Appendix 19, subject to the fulfilment of the conditions laid down in para 215(4A) of the policy book.

4. The above amendments have been made in public interest.

Sd/-

TEJENDRA KHANNA,

Chief Controller of Imports and Exports.

'Annexure-A'

APPENDIX-19

List of items permissible for import in terms of sub-paras 177(A) and 215(4A) of the Import & Export Policy 1988-91 (Vol. I)

1. Copper including Copper Rods (Wrought or Unwrought)
2. Zinc (or Spelter)
3. Lead
4. All grades of Pig Iron (including alloy steel pig iron) but excluding pig iron chips.
5. Waste and Scrap for remelting (melting scrap) of all grades of non-alloy steel in any form/condition including remelting scrap ingots.
6. Old ships, Vessels (except Indian Flag Vessels) for breaking.

